भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 01 | अंक - 345 | बिजौलिया - मंगलवार, 30 जून ,2026 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4 | WWW.BHILWARAFOCUS.COM

32 साल का इंतजार खत्मः यमुना का पानी अब पहुंचेगा राजस्थान

राजस्थान-हरियाणा के बीच ऐतिहासिक समझौता, 34,102 करोड़ की परियोजना से शेखावाटी को मिलेगी बड़ी राहत

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

राजस्थान की वर्षों पुरानी पेयजल समस्या के समाधान की दिशा में सोमवार को ऐतिहासिक कदम उठाया गया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल परियोजना को लेकर मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के साथ ही वर्ष 1994 में राजस्थान को आवंटित यमुना जल का उपयोग करने का रास्ता साफ हो गया।

करीब 34,102 करोड़ रुपये की लागत वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से लगभग 295.5 किलोमीटर लंबी भूमिगत पाइपलाइन बिछाकर राजस्थान के चूरू जिले के हंसियावास जलाशय तक पानी पहुंचाया जाएगा। इसके लिए तीन भूमिगत पाइपलाइन, निरीक्षण सड़क, कृत्रिम जलाशय और आधुनिक

जल प्रबंधन प्रणाली विकसित की जाएगी। परियोजना के संचालन के लिए राजस्थान-हरियाणा यमुना वाटर एसपीवी का गठन भी किया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे सहकारी संघवाद का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि इस समझौते से हरियाणा और राजस्थान के बीच पानी को लेकर करीब तीन दशक पुरानी समस्या का समाधान हुआ है। उन्होंने कहा कि इससे विशेष रूप से राजस्थान के लोगों को पेयजल संकट से राहत मिलेगी और भविष्य में यह समझौता राज्यों के बीच जल प्रबंधन का आदर्श मॉडल बनेगा।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि वर्ष 1994 में राजस्थान को ताजेवाला हेड पर 1917 क्यूसेक पानी आवंटित किया गया था, लेकिन आवश्यक प्रवाह व्यवस्था नहीं होने के कारण राज्य 32 वर्षों तक अपने हिस्से के पानी का पूरा उपयोग नहीं कर सका। अब भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से चूरू, सीकर, झुंझुनूं सहित शेखावाटी क्षेत्र में दीर्घकालिक पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्र सरकार के समन्वित प्रयासों से दशकों से लंबित यह परियोजना अब धरातल पर उतरने जा रही है। उन्होंने कहा कि परियोजना से न केवल राजस्थान बल्कि हरियाणा के भी कई क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। हंसियावास में बनने वाले जलाशय से हरियाणा के निवासियों को भी पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह परियोजना दोनों राज्यों के सहयोग का प्रतीक है और हरियाणा इसके सफल क्रियान्वयन में पूरा सहयोग करेगा।

मांडल में बेकाबू ट्रेलर ने मचाया उत्पातः दो बाइकों और बिजली पोल को रौंदता हुआ कंचन प्रोसेस के गेट में घुसा,बाइक सवार ओर ट्रेलर चालक घायल

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

पुनित चपलोत

जिले के मांडल कस्बे में सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मांडल रेलवे ओवरब्रिज के पास स्थित कंचन प्रोसेस हाउस इंडिया लिमिटेड के गेट नंबर-1 पर सफेद कंक्रीट से भरा एक तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर बिजली के पोल और दो मोटरसाइकिलों को टक्कर मारते हुए फैक्ट्री के गेट में जा घुसा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर तेज धमाके के साथ अफरा-तफरी मच गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर गेट के पास लगी लोहे की सीढ़ियों के पोल से टकराकर वहीं फंस गया। यदि ट्रेलर आगे बढ़ जाता तो फैक्ट्री के बाहर ओर अंदर मौजूद लोगों की जान खतरे में पड़ सकती थी और बड़ा हादसा हो सकता था।

प्रत्यक्षदर्शी कन्हैयालाल मेघवंशी ने बताया कि ट्रेलर तेज गति से आ रहा था और चालक के नियंत्रण खोने से हादसा हुआ। दुर्घटना में वह बच गए पर उनकी मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि एक अन्य बाइक भी ट्रेलर की चपेट में आ गई। हादसे में बाइक सवार राजेश कुमार (45) पुत्र हीरालाल सेवदा निवासी ब्राह्मणों की सरेरी गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया। वहीं ट्रेलर चालक नाग सिंह पुत्र मूल सिंह भी घायल हुआ। दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस की सहायता से उपजिला चिकित्सालय मांडल पहुंचाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा भीड़ को हटाकर यातायात व्यवस्था सुचारु कराई। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी है।

साइबर पुलिस की कार्रवाईः फर्जी सिम से 7.05 लाख की साइबर ठगी का मास्टरमाइंड अलवर-मेवात से गिरफ्तार

UPI आईडी बनाकर बुजुर्ग के खाते से उड़ाए थे रुपये

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

पुनित चपलोत

पुलिस ने साइबर ठगी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए फर्जी सिम और फर्जी UPI आईडी के जरिए 7.05 लाख रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले मुख्य आरोपी को अलवर-मेवात क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने 75 वर्षीय बुजुर्ग के बैंक खाते से बिना उनकी जानकारी के UPI के माध्यम से पूरी रकम पार कर दी थी।

जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन के निर्देशन एवं साइबर थाना प्रभारी रामशरण के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने तकनीकी

अनुसंधान के आधार पर आरोपी कायम खान (23) निवासी घाटी का बास चांदौली, थाना विजय मंदिर, जिला अलवर को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, करेड़ा थाना क्षेत्र के बड्डू निवासी 75 वर्षीय नाथू सिंह चुंडावत के बैंक ऑफ बड़ौदा खाते में 5 मार्च 2025 को 7,05,683.06 रुपये शेष थे। दो माह बाद जब वे बैंक में पासबुक अपडेट कराने पहुंचे तो खाते में केवल 1,063.59 रुपये बचे मिले। जांच में सामने आया कि पूरी राशि UPI के जरिए ट्रांसफर कर ली गई थी, जबकि पीड़ित न तो एंड्रॉयड मोबाइल चलाते हैं, न एटीएम कार्ड रखते हैं और न ही उन्होंने किसी को OTP साझा किया था।

मामले में साइबर थाना भीलवाड़ा में प्रकरण दर्ज कर तकनीकी जांच शुरू की गई। जांच के दौरान फर्जी सिम के जरिए बनाई गई UPI आईडी का सुराग मिलने पर पुलिस टीम ने अलवर-मेवात में दबिश देकर मुख्य आरोपी कायम खान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी के साथ इस साइबर ठगी गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा ठगी की राशि किन खातों में ट्रांसफर की गई।

इस कार्रवाई में साइबर थाना प्रभारी रामशरण, कांस्टेबल राम प्रसाद, प्रभुराम और कुलदीप की अहम भूमिका रही।

13 लाख की नकबजनी का खुलासाः पत्नी ने ही रचा था चोरी का ड्रामा

ऑनलाइन सट्टे में लाखों रुपये हारने के बाद दर्ज करवाई झूठी चोरी की रिपोर्ट, आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

भीमगंज थाना क्षेत्र में 13 लाख रुपये की नकबजनी के चर्चित मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक चौंकाने वाला सच सामने लाया है। मामले में शिकायतकर्ता की पत्नी ही चोरी की साजिश रचने वाली निकली। पुलिस ने आरोपी क्षिप्रा जैन (30) निवासी तिलकनगर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि रकम की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने थानाधिकारी सुनील चौधरी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा कार्रवाई को अंजाम दिया है। ।

पुलिस ने बताया की 23 जून को तिलकनगर निवासी संदीप कुमार जैन ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 22 जून की रात वह अपनी पत्नी के साथ घर से बाहर गया था। लौटने पर घर का मुख्य दरवाजा खुला मिला और कमरे में रखे बेड बॉक्स से 13 लाख रुपये से भरा बैग गायब था। परिवादी ने बताया था कि यह राशि प्लॉट बेचने के बाद किसी पार्टी को देने के लिए रखी गई थी।

जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) का विश्लेषण किया तथा तकनीकी साक्ष्यों के साथ परिवार के सदस्यों से भी पूछताछ की। जांच में किसी बाहरी व्यक्ति की संलिप्तता के प्रमाण नहीं मिलने पर संदेह घर के सदस्य पर गया।

पुलिस ने परिवादी की पत्नी क्षिप्रा जैन से मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की, जिसमें उसने स्वीकार किया कि वह ऑनलाइन सट्टा खेलती थी। सट्टे में लगातार हारने के कारण उसने घर में रखी नकदी को धीरे-धीरे खर्च कर दिया। जब लाखों रुपये हार गई तो खुद ही घर में चोरी का नाटक रचकर पति से पुलिस में झूठी रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में राशि की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

विशेष टीम में थानाधिकारी सुनील चौधरी, थाना गांधीनगर की थानाधिकारी पुष्पा कसौटिया, एसआई ओमप्रकाश नायक, साइबर सेल के एसआई सत्यनारायण सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भीलवाड़ा NDPS कोर्ट का फैसला : 1.5 किलो गांजा तस्करी में आरोपी को 3 साल की कठोर कैद और 30 हजार का जुर्माना

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

पुनित चपलोत

मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए भीलवाड़ा की विशेष न्यायालय (एनडीपीएस एक्ट) ने गांजा तस्करी के मामले में आरोपी मिट्ठू ओड को दोषी करार देते हुए 3 वर्ष के कठोर कारावास और 30 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह मामला 3 जनवरी 2020 का है।

सुभाषनगर थाने के तत्कालीन उपनिरीक्षक रामपाल सिंह पुलिस जाप्ते के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान मजिस्ट्रेट कॉलोनी स्थित विधि कॉलेज के पास एक युवक पुलिस को देखकर झाड़ियों के पीछे छिपने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक कट्टे में 1 किलो 460 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में उसकी पहचान मिट्ठू ओड (30) पुत्र छोगालाल ओड, निवासी मारुति कॉलोनी, सुभाषनगर के रूप में हुई। पुलिस ने मौके पर ही गांजा जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने न्यायालय में चालान पेश किया। मामले की पैरवी विशिष्ट लोक अभियोजक रामस्वरूप गुर्जर ने की। अभियोजन पक्ष ने अदालत में 8 गवाहों के बयान और 48 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए। मजबूत साक्ष्यों के आधार पर विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस कोर्ट) ने आरोपी को दोषी मानते हुए 3 साल के कठोर कारावास तथा 30 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया। जुर्माना अदा नहीं करने पर आरोपी को अतिरिक्त कारावास भी भुगतना होगा।

धर्मकांटों पर विभाग की बड़ी कार्रवाई 311 वे-ब्रिज की जांच, 179 में मिली अनियमितता; 3.99 लाख का जुर्माना

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर ।

प्रदेश में व्यापारिक लेन-देन में पारदर्शिता और उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विधिक माप विज्ञान विभाग ने 23 से 25 जून तक विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। अभियान के दौरान राज्यभर में 311 धर्मकांटों (वे-ब्रिज) का निरीक्षण किया गया, जिनमें 179 संस्थानों पर अनियमितताएं मिलने पर 3 लाख 99 हजार 500 रुपए का जुर्माना लगाया गया। गंभीर मामलों में 18 धर्मकांटे जब्त भी किए गए।उपभोक्ता मामलात मंत्री सुमित गोदारा के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में 116 धर्मकांटे बिना सत्यापन के संचालित पाए गए। वहीं 98 मामलों में सत्यापन प्रमाण-पत्र प्रदर्शित नहीं किया गया, 48 संस्थानों पर मानक बाट सत्यापित नहीं मिले, जबकि 27 जगह अनिवार्य एक टन का मानक भार उपलब्ध नहीं था। इसके अलावा 2 मामलों में निर्धारित सीमा से अधिक वजन की त्रुटि सामने आई, जिससे व्यापारिक लेन-देन की निष्पक्षता प्रभावित होने की आशंका जताई गई।

जिला स्तर पर ब्यावर में सर्वाधिक 34,500 रुपए, चूरू में 30,000 रुपए, हनुमानगढ़ में 26,000 रुपए, अलवर में 22,500 रुपए तथा अजमेर में 18,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। वहीं अलवर जिले में सबसे अधिक 9 धर्मकांटे जब्त किए गए।

विभाग ने स्पष्ट किया कि व्यापारिक उपयोग में आने वाले सभी धर्मकांटों का समय पर सत्यापन कराना, सत्यापन प्रमाण-पत्र सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना तथा निर्धारित मानक भार उपलब्ध रखना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विधिक माप विज्ञान अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई जारी

रहेगी।विभाग ने धर्मकांटा संचालकों से समय पर सत्यापन कराने और सभी वैधानिक प्रावधानों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे विशेष निरीक्षण अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे।

करेड़ा में मोबाइल शॉप में चोरी, 35 मोबाइल ले उड़े चोर

पीछे का गेट तोड़कर वारदात, 4 से 5 लाख रुपये का नुकसान

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

पुनीत चपलोत । करेड़ा कस्बे के बस स्टैंड स्थित एक मोबाइल शॉप में रविवार-मध्यरात्रि अज्ञात चोरों ने सेंध लगाकर करीब 35 मोबाइल फोन चोरी कर लिए। चोरी गए मोबाइलों की कीमत 4 से 5 लाख रुपये बताई जा रही है। घटना के बाद व्यापारियों में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, मातेश्वरी मोबाइल शॉप में चोर पीछे की सीढ़ियों से पहुंचे और दुकान का पिछला गेट तोड़कर अंदर प्रवेश कर गए। इसके बाद दुकान में रखे करीब 35 मोबाइल फोन चोरी कर फरार हो गए।दुकान संचालक दिनेश सेन सोमवार सुबह दुकान खोलने पहुंचे तो सामान बिखरा पड़ा मिला और पीछे का गेट टूटा हुआ था। जांच करने पर मोबाइल गायब मिले, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर करेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण कर मामला दर्ज किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

आधे घंटे में दो सड़क हादसे, दो की मौत, तीन गंभीर घायल

मृतक सुरेंद्र सिंह

मृतक दिनेश जेठानी

भीलवाड़ा फोकस @ बीगोद

कस्बे में रविवार देर रात करीब आधे घंटे के अंतराल में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद भीलवाड़ा रेफर किया गया।

थानाधिकारी जय सुल्तान ने बताया कि पहला हादसा भीलवाड़ा-लाडपुरा मेगा हाईवे पर पावन धाम के निकट दो कारों की आमने-सामने भिड़ंत से हुआ। दुर्घटना में अडसीपुरा निवासी सुरेंद्र सिंह (पुत्र प्रहलाद सिंह), बोरियापुरा निवासी किशनलाल सुथार, उनकी पत्नी सीमा तथा पुत्र जिनल घायल हो गए। सभी को सामुदायिक चिकित्सालय बीगोद से भीलवाड़ा रेफर किया गया, जहां सुरेंद्र सिंह को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

दूसरा हादसा कस्बे के बस स्टैंड पर हुआ, जहां एक बाइक की ट्रक से टक्कर हो गई। दुर्घटना में भीलवाड़ा निवासी दिनेश जेठानी (पुत्र अशोक जेठानी) की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बस स्टैंड क्षेत्र में मेगा हाईवे का निर्माण कार्य पिछले करीब 10 वर्षों से अधूरा पड़ा है, जिससे यहां दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है।

गोपाल माली पड़ोसी विवाद मामले में माली समाज का प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच की मांग

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

पुनीत चपलोत

सुभाष नगर थाना क्षेत्र में पड़ोसियों के बीच हुए विवाद के मामले में सोमवार को माली समाज के लोगों ने जिला कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया। इसके बाद समाज के प्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

माली समाज महासभा के जिलाध्यक्ष भेरूलाल माली ने बताया कि विजय सिंह पथिक नगर निवासी गोपाल माली पर पड़ोसियों ने कथित रूप से हमला किया था। घटना के बाद गोपाल माली ने सुभाष नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, जबकि दूसरे पक्ष ने भी उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया।

उन्होंने आरोप लगाया कि गोपाल माली की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जबकि दूसरे पक्ष की रिपोर्ट पर कार्रवाई शुरू कर दी गई। समाज का कहना है कि घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। माली समाज ने चेतावनी दी कि यदि पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय नहीं मिला तो समाज उग्र आंदोलन करेगा।

खामोर में दिनदहाड़े चोरी, लगातार वारदातों से ग्रामीणों में आक्रोश

तीन वर्षों में एक दर्जन से अधिक चोरी की घटनाएं, खुलासे की मांग तेज

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा ।

खामोर क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत और आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सोमवार को खामोर के गुर्जर मोहल्ले में दिनदहाड़े एक मकान में चोरी की वारदात के बाद लोगों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए लंबित मामलों के शीघ्र खुलासे और गश्त बढ़ाने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, द्वारका गुर्जर के घर में अज्ञात चोर मुख्य गेट से प्रवेश कर कमरे में रखे बक्से का ताला तोड़कर करीब 500 ग्राम चांदी की कंकती, 500 ग्राम चांदी की खूंगाली, 200 ग्राम चांदी के कूचिया, 250 ग्राम चांदी का आंवला तथा आभूषणों का डिब्बा चोरी कर फरार हो गया। घटना के समय परिवार के सदस्य घर पर नहीं थे। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले तीन वर्षों में खामोर एवं आसपास के गांवों में एक दर्जन से अधिक बड़ी चोरी की वारदातें हो चुकी हैं, लेकिन अधिकांश मामलों का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है। उनका आरोप है कि वारदात के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच तो करती है, लेकिन बाद में प्रकरणों की प्रगति नजर नहीं आती।ग्रामीणों ने बताया कि अक्टूबर 2024 में तेजाजी चौक स्थित एक मकान से नकदी व लाखों रुपये के आभूषण चोरी हुए थे। इसके बाद मार्च 2025 में भीलों का खेड़ा एवं चौपड़ों का खेड़ा में कई मकानों के ताले तोड़कर चोरी की वारदातें हुईं। अक्टूबर 2025 में भी खामोर सहित आसपास के क्षेत्रों में कई घरों को निशाना बनाया गया। वहीं अप्रैल 2026 में बिलिया गांव में करीब 30 लाख रुपये की नकदी और जेवरात की बड़ी चोरी भी अब तक अनसुलझी है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि पूर्व की वारदातों का समय पर खुलासा होता तो अपराधियों के हौसले इतने बुलंद नहीं होते। उन्होंने पुलिस से चोरी के सभी लंबित मामलों का शीघ्र खुलासा करने, सक्रिय गिरोहों की गिरफ्तारी तथा क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जल्द कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा।

फार्म हाउस पर जुआ खेलते नौ गिरफ्तार, 1.31 लाख रुपये और दो कारें जब्त

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव)। जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) एवं बड़लियास थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कस्बे के निकट एक फार्म हाउस पर चल रहे जुआ अड्डे का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर 1 लाख 31 हजार 590 रुपये नकद, ताश के पत्ते, दो प्लास्टिक के घोड़ी-दाने तथा दो कारें जब्त की हैं। थानाधिकारी जसवंत सिंह ने बताया कि डीएसटी से सूचना मिली थी कि हाईवे से करीब 150 मीटर दूर स्थित एक फार्म हाउस में कुछ लोग ताश के पत्तों पर जुआ खेल रहे हैं तथा बाहर कुछ लोग पुलिस की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी।

पुलिस के पहुंचते ही कुछ लोग फार्म हाउस की दीवार फांदकर फरार हो गए, जबकि मौके से नौ लोगों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 1.31 लाख रुपये की नकदी, जुआ सामग्री तथा फार्म हाउस में खड़ी एक एटियॉस और एक अर्टिगा कार जब्त की गई।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज हैं। इस संबंध में बड़लियास थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कार्रवाई में थानाधिकारी जसवंत सिंह, हेड कांस्टेबल सांवलदान तथा कांस्टेबल पुखापुरी, अनिल कुमार, अशोक कुमार, संदीप कुमार, श्रवण कुमार सहित डीएसटी टीम के जवान शामिल रहे।

स्वाति झा ने संभाला बिजौलिया एसडीएम का अतिरिक्त प्रभार, कहा- पारदर्शी और संवेदनशील प्रशासन होगी प्राथमिकता

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

मांडलगढ़ की नव नियुक्त उपखंड अधिकारी स्वाति झा ने सोमवार को बिजौलिया उपखंड कार्यालय पहुंचकर उपखंड अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के दौरान उपखंड कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दीं।

उल्लेखनीय है कि तत्कालीन एसडीएम अजीत सिंह के स्थानांतरण के बाद बिजौलिया का उपखंड अधिकारी का पद रिक्त चल रहा था। इसके बाद मांडलगढ़ के तत्कालीन एसडीएम मनमोहन शर्मा को बिजौलिया का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। हाल ही में मनमोहन शर्मा के स्थानांतरण के बाद राज्य सरकार ने स्वाति झा को मांडलगढ़ का उपखंड अधिकारी नियुक्त किया है। अब वे मांडलगढ़ के साथ-साथ बिजौलिया उपखंड का अतिरिक्त दायित्व भी निभाएंगी। इससे पूर्व वे सूरजगढ़ में उपखंड अधिकारी के पद पर कार्यरत थीं।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद एसडीएम स्वाति झा ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील तरीके से समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण, सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तथा आमजन को जवाबदेह प्रशासन उपलब्ध कराने के लिए सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से टीम भावना के साथ कार्य करते हुए आमजन को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराने का आह्वान किया। इस दौरान उपखंड कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित, पात्र प्रकरण का चयन कर बैंकों को किया प्रेषित

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के परीक्षण एवं साक्षात्कार के लिए सोमवार को जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आवेदकों द्वारा प्रस्तुत परियोजनाओं का विस्तृत परीक्षण एवं साक्षात्कार किया गया तथा उनकी व्यवसायिक व्यवहार्यता, रोजगार सृजन की संभावनाओं एवं बैंक ऋण आवश्यकता का मूल्यांकन किया गया।

बैठक में कुल 18 प्रकरण समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए, जिनमें डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना के 4, राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी के 7 तथा विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना के 7 प्रकरण शामिल किये गये।

समिति द्वारा परीक्षण एवं साक्षात्कार उपरांत डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना के 2 प्रकरण, विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना के 5 प्रकरण तथा राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी के 4 प्रकरण स्वीकृत करते हुए ऋण स्वीकृति एवं वितरण की आगामी कार्यवाही के लिए संबंधित बैंकों को अग्रेषित किए जाएंगे।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के उद्यमियों को सेवा, व्यापार एवं विनिर्माण क्षेत्रों में नए उद्यम स्थापित करने हेतु प्रोत्साहित करती है। योजना के अंतर्गत पात्र उद्यमियों को परियोजना लागत का 25 प्रतिशत(अधिकतम 25लाख) मार्जिन मनी अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही 25 लाख रुपये तक के ऋण पर 9 प्रतिशत, 25 लाख रुपये से 5 करोड़ रुपये तक 7 प्रतिशत तथा 5 करोड़ रुपये से 10 करोड़ रुपये तक 6 प्रतिशत ब्याज अनुदान का प्रावधान है।

विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत सेवा एवं विनिर्माण क्षेत्र की परियोजनाओं हेतु 1 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 8 प्रतिशत तथा 1 करोड़ से 2 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त पात्र लाभार्थियों को परियोजना लागत का 25 प्रतिशत, अधिकतम 5 लाख रुपये तक मार्जिन मनी अनुदान भी देय है।

इसी प्रकार राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी के अंतर्गत व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 1 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 6 प्रतिशत तथा 1 करोड़ से 2 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 4 प्रतिशत ब्याज अनुदान का प्रावधान किया गया है। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबंधक ने बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य युवाओं, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग सहित अन्य पात्र उद्यमियों को स्वरोजगार हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना, नए उद्यमों की स्थापना को प्रोत्साहित करना तथा जिले में रोजगार सृजन एवं औद्योगिक विकास को गति प्रदान करना है। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबंधक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आईटीआई कॉलेज से रमेश कुमार महावर, बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक से प्रदीप कुमार, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर अशोक पाण्डेय एवं संबंधित योजनाओं के सदस्य सचिव उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा-बड़लियास मार्ग पर शुरू हुई प्रधानमंत्री ई-बस सेवा, ग्रामीणों को मिली राहत

भीलवाड़ा फोकस @ आकोला ।

प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के तहत भीलवाड़ा-बड़लियास मार्ग पर सोमवार से इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू हो गई। इससे मांडलगढ़ क्षेत्र के कई गांवों के यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और प्रदूषण मुक्त परिवहन की सुविधा मिलेगी।

यह अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक बस प्रतिदिन सुबह 7:30 बजे भीलवाड़ा से रवाना होगी। वहीं बड़लियास से सुबह 9 बजे, दोपहर 2 बजे और शाम 6 बजे कुल तीन फेरे संचालित करेगी। बस का ठहराव जीत्या, गेंदलिया, रेण, सोलंकी का खेड़ा, हलेड़, गोकुल विहार चौराहा, रोडवेज बस स्टैंड सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर रहेगा, जिससे आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। सेवा शुरू होने पर बड़लियास में ग्रामीणों ने बस चालक एवं महिला परिचालक का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा मिठाई खिलाकर खुशी जताई। ग्रामीणों ने इसे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण सौगात बताते हुए सरकार का आभार व्यक्त किया और भविष्य में ई-बस सेवा का विस्तार अन्य ग्रामीण मार्गों तक किए जाने की मांग की।

QUICK BITES

सवाईपुर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ग्राम सभा का आयोजन, विकास कार्यों के प्रस्ताव लिए

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव):- सवाईपुर कस्बे के ग्राम पंचायत मुख्यालय पर सोमवार को ग्राम सभा का आयोजन हुआ । सचिव ताराचंद गुप्ता ने बताया कि प्रशासक किशन लाल जाट कि अध्यक्षता में सोमवार को प्रातः 11 बजे सवाईपुर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ग्राम सभा का आयोजन हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री आवास के लाभार्थियों का अनुमोदन किया गया और जरुरत मद लाभार्थियों के नामों पर विचार किया, इस अवसर पर पनघट स्थापना, सीसी कार्य, सामुदायिक कार्य, नाडी निर्माण कार्य, चारागाह विकास कार्य सहित अन्य कई विकास कार्यों के प्रस्ताव लिए । इस दौरान निवृतमान जिला परिषद सदस्य लादी देवी जाट, पूर्व सरपंच अमरचंद गाडरी, राकेश श्रोत्रिय, रामकुमार जाट, देवराज जाट, राकेश जाट, वार्डपंच रामेश्वर जाट, कंकू देवी शर्मा, मोहन रैगर, कृष्णा गुर्जर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे ।।

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन बघेरवाल संघ मेवाड़ प्रांत के अध्यक्ष बने सुरेश पटवारी

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलियां।

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन बघेरवाल संघ मेवाड़ प्रांत के चुनाव श्री दिगंबर जैन पार्श्वनाथ तपोदय तीर्थ क्षेत्र में सर्वसम्मति से संपन्न हुए। चुनाव में सुरेश पटवारी को मेवाड़ प्रांत का अध्यक्ष, पुष्प ठग (मानपुरा) को मंत्री तथा प्रकाशचंद ठोला (लांबाखोह) को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

निर्वाचन प्रक्रिया निर्वाचन अधिकारी चांदमल ठग (बोराव) एवं अशोक सांवला के निर्देशन में संपन्न हुई। चुनाव के दौरान बिजौलियां, झांतला, सिंगोली, बोराव, रावतभाटा, डाबी, महुवा, मानपुरा, आरोली, छोटी बिजौलियां, लांबाखोह, थड़ोद, धनगांव, ठुकराई, भीलवाड़ा, भैंसरोड़गढ़, श्रीपुरा सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का समाजजनों ने स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी और सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर रमेश धनोपिया, सुरेंद्र हरसौरा, लाभचंद धनोपिया, पुष्पेंद्र बगड़ा, पारस धनोपिया, राजकुमार दुगरिया, निर्मल सेठिया सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान की बैठक में तहसील कार्यकारिणी का गठन

भीलवाड़ा फोकस @ आकोला ।

सिंगोली चारभुजा में श्री अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान की ओर से मांडलगढ़ तहसील की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह गुड़ा के निर्देशानुसार सर्वसम्मति से तहसील कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में कालू सिंह चौहान (मेहताजी का खेड़ा) को तहसील अध्यक्ष मनोनीत किया गया। वहीं जिला कार्यकारिणी में बालू सिंह देवड़ा (लाडपुरा), शंभू सिंह गहलोत (बागीत) एवं नारायण सिंह सोलंकी को मनोनीत किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। बैठक में सामाजिक कुरीतियों पर रोक लगाने, बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने तथा समाज में जागरूकता बढ़ाने पर चर्चा की गई। साथ ही आगामी 5 जुलाई को भीलवाड़ा में आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान करने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर अर्जुन सिंह सोलंकी, शंभू सिंह सोलंकी, गणेश सिंह, भंवर सिंह, मांगू सिंह, गोवर्धन सिंह, मिट्ठू सिंह, गणपत सिंह, तेज सिंह सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

ग्राम विकास शिविर में पट्टों का वितरण, विभिन्न विभागों ने दी योजनाओं की जानकारी

भीलवाड़ा फोकस @ आगूचा

(गोपाल)। ग्राम पंचायत में सोमवार को ग्राम विकास शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि कृष्ण सिंह राठौड़ ने पात्र लाभार्थियों को पट्टों का वितरण किया। साथ ही कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने किसानों को विभिन्न योजनाओं और कृषि संबंधी जानकारी प्रदान की। शिविर में राजस्व विभाग ने शुद्धिकरण, सहमति बंटवारा, नामांतरण एवं सीमाज्ञान से जुड़े मामलों का निस्तारण किया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए समस्याओं के त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया। शिविर के दौरान 17 पट्टों का वितरण, 5 नवीन शौचालयों की स्वीकृति, 14 शुद्धिकरण, 4 सहमति बंटवारे, 5 नामांतरण तथा 4 सीमाज्ञान आवेदन का निस्तारण किया गया। इस अवसर पर भाजपा महामंत्री दीपक कुमार सेन, उपाध्यक्ष कैलाश नगला, सहायक प्रशासनिक अधिकारी रामदेव बेरवा, पंचायत समिति हुरड़ा के ग्राम विकास अधिकारी एवं सचिव सूरजकरण लड्ढा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पैगंबर साहब की शान में गुस्ताखी पर भीलवाड़ा में फूटा आक्रोशः अल्पसंख्यक कांग्रेस का प्रदर्शन, नाज़िया इलाही की गिरफ्तारी की मांग

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

पुनित चपलोत

जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक के बैनर तले कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया जिसमें उन्होंने पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी करने वाले नाजिया इलाही खान के खिलाफ कार्यवाही और गिरफ्तारी की मांग की है।

अल्पसंख्यक कांग्रेस के संगठन महासचिव अजहरुद्दीन शेख ने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में नाज़िया इलाही खान नामक महिला ने मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने और देश का सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के उद्देश्य से हमारे नबी, पैगंबर मुहम्मद अत्यंत अभद्र और अमर्यादित टिप्पणियां की हैं। इस कृत्य के कारण पूरे देश के मुस्लिम समाज और शांतिप्रिय नागरिकों में भारी आक्रोश और गहरी नाराजगी है। नाज़िया इलाही खान के इस गैर-जिम्मेदाराना और भड़काऊ बयान से न केवल करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंची है, बल्कि विभिन्न समुदायों के बीच शांति, आपसी भाईचारे और कानून-व्यवस्था को भी गंभीर खतरा पैदा हो गया है। हम चाहते हैं कि कानून-व्यवस्था और सामाजिक शांति बनाए रखने के लिए आरोपी नाज़िया इलाही खान को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

अल्पसंख्यक कांग्रेस जिला अध्यक्ष हमीद रंगरेज ने साफ कहा कि इस गैर-जिम्मेदाराना और भड़काऊ कृत्य से न केवल करोड़ों मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को जानबूझकर आहत किया गया है, बल्कि देश के सांप्रदायिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था को भी गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

ज्ञापन के दौरान ये रहे मौजूद

हमीद रंगरेज, अली मंसूरी, ताहिर पठान ,शाहीद देशवाली, निसार सिलावट, अजरूद्दीन शेख,मोहसिन मंसूरी, हाजी उमर डायर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ग्रामीण सेवा शिविर में 22 विभागों की सेवाएं एक ही छत के नीचे, वर्षों पुराने भूमि विवादों का हुआ समाधान

भीलवाड़ा फोकस @ शक्करगढ़

ग्राम पंचायत बाकरा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में प्रशासन और विभिन्न विभागों ने आमजन को एक ही स्थान पर सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पहुंचाया। शिविर में 22 विभागों द्वारा अपने-अपने कार्यों का निस्तारण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ग्रामीणों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर से राहत दिलाकर सभी आवश्यक सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराना है।

अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविर आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग गांवों में यह भ्रम फैला रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी नरेगा योजना को बंद कर दिया है, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने कहा कि योजना का नाम परिवर्तित कर 'जी राम जी' किया गया है ताकि व्यवस्था अधिक पारदर्शी बने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगे और पात्र परिवारों को पहले के 100 दिनों के बजाय 125 दिनों तक रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

शिविर में वर्षों से लंबित भूमि बंटवारे के मामलों का भी समाधान किया गया। मुकेश मीणा एवं ललिता देवी मीणा को भूमि बंटवारे का लाभ मिलने पर उन्होंने प्रशासन और सरकार का आभार व्यक्त किया। ग्राम पंचायत की ओर से पात्र लोगों को निशुल्क आवासीय पट्टों का वितरण भी किया गया।महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म संपन्न कराई गई तथा विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। इसके अलावा राजस्व, पंचायत राज, कृषि, सामाजिक न्याय, चिकित्सा, शिक्षा, पशुपालन सहित 22 विभागों ने मौके पर ही अनेक प्रकरणों का निस्तारण किया।

शिविर के दौरान ग्रामीणों ने पीएचईडी विभाग की लापरवाही का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। ग्रामीणों ने शिकायत करते हुए बताया कि गांव की पेयजल टंकी की लंबे समय से सफाई नहीं होने से दूषित पानी की आशंका बनी हुई है। उन्होंने नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की। विधायक ने संबंधित अधिकारियों को शिकायत का शीघ्र समाधान करने तथा पेयजल व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

शिविर में उपखंड अधिकारी छत्रपाल चौधरी, विकास अधिकारी सीताराम मीना, नायब तहसीलदार बद्रीलाल मीना, ग्राम विकास अधिकारी नरेंद्र कुमार मीना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन धर्मचंद मीना ने किया। इस अवसर पर सत्यनारायण शर्मा, रामकुवार मीना, राकेश खटीक, आदेश मीना, अनीता गुर्जर, कांता मीना, अमित जागेटिया, मस्तराम मीना सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

भूमिहीन किसानों को 5-5 बीघा भूमि आवंटन के प्रस्ताव का ग्राम सभा में अनुमोदन, पीएम आवास योजना के पुनः सर्वे की उठी मांग

भीलवाड़ा फोकस @ काछोला

ग्राम पंचायत थलकलां में सोमवार को राजस्थान सरकार के ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के निर्देशानुसार विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण ग्राम सभा निर्धारित समय के बजाय दोपहर बाद प्रारंभ हुई। ग्राम सभा में भूमिहीन किसानों एवं मजदूर परिवारों को गांव स्तर पर 5-5 बीघा भूमि आवंटित करने के प्रस्ताव का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के पात्र वंचित परिवारों का पुनः सर्वे कराने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई।

ग्राम सभा में ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं, वीबीजी रामजी योजना के प्रचार प्रसार तथा विकास कार्यों के प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर सरपंच धर्मचंद संचेती, ग्राम सभा प्रभारी एवं झंझोला ग्राम पंचायत सचिव प्रेमप्रकाश तिवाड़ी, घीसूलाल गुर्जर, उदयलाल जाट, स्वच्छ भारत मिशन के ब्लॉक समन्वयक विश्वामित्र तिवाड़ी, सीआर प्रतिनिधि हरीश चौधरी, नंदलाल गुर्जर, ओमप्रकाश गुर्जर, शंकरलाल गुर्जर, लादू दास वैष्णव, मुकेश शर्मा, महावीर रेगर, सांवरमल रेगर, मुकेश वैष्णव, भागचंद शर्मा, कैलाश कहार, मुकेश कहार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत सचिव की कार्यशैली पर ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत थलकलां के सचिव शुभम जैन ने विशेष ग्राम सभा के आयोजन को लेकर समय पर सूचना जारी नहीं की। 27 जून की तिथि अंकित करते हुए सूचना 28 जून की शाम को जारी की गई, जबकि ग्राम सभा 29 जून को प्रातः 10:30 बजे निर्धारित थी। ग्रामीणों के अनुसार सचिव निर्धारित समय पर नहीं पहुंचे और बाद में मोबाइल संदेश के माध्यम से बैठक का समय दोपहर 1 बजे बताया गया, लेकिन उस समय भी वे उपस्थित नहीं हुए। इसके बाद ग्रामीणों ने मांडलगढ़ पंचायत समिति के विकास अधिकारी से शिकायत की। शिकायत पर विकास अधिकारी ने तत्काल झंझोला ग्राम पंचायत के सचिव प्रेमप्रकाश तिवाड़ी तथा स्वच्छ भारत मिशन के ब्लॉक समन्वयक विश्वामित्र तिवाड़ी को ग्राम सभा का प्रभारी बनाकर भेजा, जिनके पहुंचने के बाद दोपहर 2 बजे के पश्चात ग्राम सभा की कार्यवाही शुरू हो सकी। ग्रामीणों ने सचिव की कार्यशैली पर असंतोष व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि वे ग्राम पंचायत कार्यालय में नियमित रूप से उपस्थित नहीं रहते, जिससे आमजन के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने सक्षम अधिकारियों से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की।

थलखुर्द के दलित परिवारों को पीएम आवास योजना से वंचित रखने का आरोप

ग्राम सभा में थलखुर्द गांव के अनुसूचित जाति रैगर समुदाय के लोगों ने आरोप लगाया कि आवेदन करने के बावजूद अनेक पात्र परिवारों के नाम प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की सूची में शामिल नहीं किए गए। ग्रामीणों ने मांग की कि ग्राम पंचायत क्षेत्र के सभी गांवों का पुनः सर्वे कराया जाए तथा वास्तविक पात्र एवं गरीब परिवारों के नाम योजना में जोड़े जाएं। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि सूची में ऐसे कई लोगों के नाम शामिल हैं जो पहले ही योजना का लाभ प्राप्त कर चुके हैं, जबकि अनेक जरूरतमंद परिवार अब भी आवास योजना से वंचित हैं। ग्राम सभा में इस संबंध में निष्पक्ष सर्वे कर पात्र परिवारों को योजना का लाभ दिलाने की मांग की गई।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर पुलिस का बड़ा शिकंजा, 25 दिन में 1.92 लाख वाहनों पर कार्रवाई

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर ।

राजस्थान में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले तथा वाहनों पर वीआईपी कल्चर और स्यूख दिखाने वालों के खिलाफ पुलिस का विशेष प्रवर्तन अभियान लगातार सख्ती से जारी है। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देश और महानिदेशक पुलिस (यातायात) अनिल पालीवाल के सुपरविजन में 4 से 28 जून तक चले 25 दिवसीय अभियान में प्रदेशभर में 1 लाख 92 हजार 513 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (यातायात) डॉ. बी.एल. मीणा ने बताया कि अभियान के दौरान सबसे अधिक 69,786 वाहनों के शीशों पर लगी अवैध ब्लैक फिल्म हटाकर कार्रवाई की गई। इसके अलावा 48,271 नियम विरुद्ध नंबर प्लेट, 26,930 वाहनों पर अनाधिकृत शब्द, चिन्ह व लेखन, 21,333 वाहनों में अवैध मॉडिफिकेशन, 15,863 लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट व हूटर तथा 10,330 प्रेशर हॉर्न व एयर हॉर्न के मामलों में चालान किए गए।

अभियान के अंतिम दो दिनों में भी पुलिस ने कार्रवाई जारी रखते हुए 15,479 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। इनमें 4,880 अवैध ब्लैक फिल्म, 3,636 नियम विरुद्ध नंबर प्लेट, 2,283 अवैध वाहन मॉडिफिकेशन, 2,221 अनाधिकृत शब्द व चिन्ह, 1,608 लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर व हूटर तथा 851 प्रेशर हॉर्न व एयर हॉर्न के मामले शामिल रहे।

डॉ. मीणा ने कहा कि सड़क सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, वाहनों में अवैध संशोधन नहीं कराने तथा अनाधिकृत उपकरणों का उपयोग नहीं करने की अपील की। राजस्थान पुलिस ने स्पष्ट किया कि ऐसे उल्लंघनों के खिलाफ आगे भी विशेष अभियान जारी रहेगा।

30वें भामाशाह सम्मान समारोह में फूलियाकलां का बढ़ा मान

शिक्षा व खेल क्षेत्र में योगदान के लिए सुभाषचंद्र लड्ढा दंपती सम्मानित

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा

मूलचन्द पेसवानी

भीलवाड़ा जिले के फूलियाकलां कस्बे के लिए गौरव का क्षण उस समय आया जब सोमवार को जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित 30वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह-2026 में केस परियोजना (सेंटर फॉर एकेडमिक एंड स्पोर्ट्स एक्सीलेंस) को शिक्षा एवं खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य स्तरीय सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर द्वारा प्रदान किया गया।

भामाशाह सत्यनारायण लड्ढा की ओर से उनके नामित प्रतिनिधि एवं श्री कल्याण सेवा संस्थान, फूलियाकलां के अध्यक्ष सुभाषचंद्र लड्ढा तथा उनकी धर्मपत्नी बीना देवी लड्ढा ने यह सम्मान ग्रहण किया। सम्मान समारोह में जैसे ही फूलियाकलां का नाम पुकारा गया, उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका अभिनंदन किया। इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है।

यह सम्मान श्री कल्याण राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, फूलियाकलां में संचालित केस परियोजना के अंतर्गत शिक्षा और खेल अवसंरचना के विकास में दिए जा रहे उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया। करीब 21 करोड़ रुपए की लागत से विकसित हो रही यह महत्वाकांक्षी परियोजना ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय शैक्षणिक एवं खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है।

परियोजना के तहत विद्यालय में आधुनिक शिक्षण संसाधन, स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लर्निंग सिस्टम, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, खेल मैदान और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु कई उन्नत सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसका उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को बेहतर मंच देकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना है।

जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस भव्य समारोह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राजस्थान की गौरवशाली धरती पर भामाशाह परंपरा केवल दान की परंपरा नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व, सेवा और भविष्य निर्माण की महान भावना का प्रतीक रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भामाशाहों द्वारा किया गया सहयोग हजारों विद्यार्थियों के सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने कहा कि भामाशाहों के उदार सहयोग से प्रदेश के विद्यालयों में न केवल मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हुआ है, बल्कि छात्र-छात्राओं के मन में आगे बढ़ने और कुछ बड़ा करने का आत्मविश्वास भी मजबूत हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में समाज की सहभागिता भविष्य के सशक्त राजस्थान की आधारशिला है।

इस अवसर पर शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अनेक भामाशाहों को सम्मानित कर उनका अभिनंदन किया गया। समारोह में स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव, माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद् और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

फूलियाकलां की केस परियोजना को मिला यह राज्य स्तरीय सम्मान केवल एक संस्थान की उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण शिक्षा के उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है। यह सम्मान उन प्रयासों का अभिनंदन है जो छोटे कस्बों और गांवों के विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान देने के लिए निरंतर किए जा रहे हैं।

महामंडलेश्वर बाबूगिरी महाराज को भक्तों ने भेंट की फॉर्च्यूनर कार

महामंडलेश्वर बनने की खुशी में मंदिर परिवार व श्रद्धालुओं ने किया सम्मान

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर के महामंडलेश्वर बाबूगिरी महाराज को श्री पंचायती निरंजनी अखाड़ा द्वारा महामंडलेश्वर की उपाधि से विभूषित किए जाने की खुशी में सोमवार को मंदिर परिवार एवं श्रद्धालुओं ने उन्हें लग्जरी फॉर्च्यूनर कार भेंट की। शुभ मुहूर्त में हाथीभाटा आश्रम के महंत संतदासजी महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मुख्य भेंटकर्ता हेमंतपुरी गोस्वामी एवं महावीर सोमानी ने वाहन की चाबी महामंडलेश्वर बाबूगिरी महाराज को सौंपी।

इस अवसर पर पंडित अशोक व्यास एवं पंडित देवेंद्र शास्त्री ने वैदिक विधि-विधान से वाहन का पूजन कराया। समारोह में उपस्थित श्रद्धालुओं ने बाबूगिरी महाराज के

सनातन धर्म, प्रभु भक्ति एवं मानव सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उनके महामंडलेश्वर बनने पर हर्ष व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि 13 अप्रैल को भीलवाड़ा में प्रख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा के दौरान श्री पंचायती निरंजनी अखाड़ा, मायापुर (हरिद्वार) के सचिव एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत डॉ. रविन्द्रपुरी महाराज सहित संतों के सानिध्य में बाबूगिरी महाराज का महामंडलेश्वर पद पर पट्टाभिषेक हुआ था। इसके बाद मंदिर परिवार एवं भक्तों ने सम्मान स्वरूप उन्हें लग्जरी वाहन भेंट करने का निर्णय लिया।

महामंडलेश्वर बाबूगिरी महाराज ने भक्तों का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया और कहा कि श्रद्धालुओं का यह स्नेह एवं विश्वास उनके लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि यह वाहन धर्म प्रचार, मानव सेवा, धार्मिक आयोजनों तथा जनकल्याण के कार्यों में उपयोग किया जाएगा। उन्होंने सभी भक्तों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार एवं सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम में पुजारी मुरारी पांडे, पुजारी ओम पाराशर, श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर ट्रस्ट के महावीर अग्रवाल, रमेश बंसल, सांवरमल बंसल, गजानंद बजाज, राधेश्याम सोमानी, सुनील जागेटिया, पीयूष डाड, सत्येंद्र बिरला, रजनीकांत आचार्य, बद्रीलाल सोमानी, रामेश्वरलाल ईनाणी, राजेश कुदाल, ललित सोमानी, अलका जोशी, राजेश तिवारी, शिव समदानी (कारोई), सांवरनाथ (कारोई) सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ग्रामीण सेवा शिविर में 40 साल पुराना भूमि हिस्सेदारी विवाद सुलझा, लाभार्थी को मिली राहत

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

राजस्थान सरकार के ग्रामीण सेवा शिविरों में आमजन की वर्षों पुरानी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत साखरिया खेड़ा में आयोजित शिविर में करीब 40 वर्षों से लंबित भूमि हिस्सेदारी का मामला मौके पर ही निस्तारित कर लाभार्थी को राहत प्रदान की गई।

ग्राम साखरिया खेड़ा निवासी नाथू गुर्जर की आराजी संख्या 248 में 37 सहखातेदार दर्ज थे, लेकिन भूमि की

हिस्सेदारी दर्ज नहीं होने से उन्हें लंबे समय से राजस्व संबंधी कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीण सेवा शिविर में प्रकरण प्रस्तुत किए जाने पर पुराने राजस्व अभिलेखों की जांच कर राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम की धारा 136 के तहत शुद्धि पत्र तैयार किया गया।

जांच के बाद नायब तहसीलदार रौनक शर्मा की अभिशंषा पर शिविर प्रभारी एवं तहसीलदार द्वारकाधीश शर्मा ने मौके पर ही भूमि की हिस्सेदारी दर्ज करने के आदेश जारी किए, जिससे चार दशक पुराना मामला सुलझ गया। लाभार्थी नाथू गुर्जर ने लंबे समय से लंबित कार्य के समाधान पर राजस्थान सरकार एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान हो रहा है।

शिविर में विकास अधिकारी जितेन्द्र गुरनानी, प्रशासक बरदी देवी जाट, ग्राम विकास अधिकारी गौरव, पटवारी मनीष कुमार गुजराती, भू-अभिलेख निरीक्षक सुनीता भट्ट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जिला कलक्टर ने पेयजल, विद्युत एवं स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में सोमवार को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग कार्यालय में पेयजल, विद्युत एवं चिकित्सा सेवाओं की विशेष समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला कलक्टर ने पीएचईडी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन को पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं चिकित्सा सुविधाओं में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इस दौरान संपर्क पोर्टल पर विभागों के लंबित प्रकरणों तथा राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

संधू ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी

विभाग के अधिकारियों को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निर्धारित समय-सारणी अनुसार पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा खराब हैंडपंप एवं ट्यूबवेल की मरम्मत कार्य में गति लाने के निर्देश प्रदान किए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सभी राजकीय चिकित्सालयों में शुद्ध पेयजल, जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता, आपातकालीन सेवाओं को सुचारू रखने के साथ-साथ विद्युत वायरिंग की सुरक्षा जांच एवं फायर सेफ्टी उपायों को तत्काल प्रभाव से लागू करने हेतु निर्देशित किया गया। नगर निगम को शहर में गुणवत्तापूर्ण साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिला कलक्टर ने विद्युत विभाग, नगर निगम, पीएचईडी एवं चिकित्सा विभाग के संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का निस्तारण समयबद्ध रूप से किया जाए। उन्होंने कहा कि संपर्क पोर्टल पर किए गए निस्तारण की जिला स्तर से नियमित समीक्षा की जाएगी तथा प्रकरणों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता धनपत राज सोनी, परियोजना अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार गर्ग, अधिशाषी अभियंता मयंक शर्मा, एवीवीएनएल के अधीक्षण अभियंता खटोड, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

QUICK BITES

श्री चारभुजा गौ सेवा संस्थान के रक्तदान शिविर में 89 यूनिट रक्त संग्रहित

भीलवाड़ा फोकस @ आगूचा

(गोपाल)। श्री चारभुजा गौ सेवा संस्थान, बराटिया के तत्वावधान में 'एक रक्तदान गौ माता के नाम' रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ गौ माता के पूजन एवं तिलक के साथ हुआ। शिविर में 89 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

भीषण गर्मी को देखते हुए रक्तदाताओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गईं। रक्तदान करने वाले सभी रक्तवीरों का संस्थान की ओर से सम्मान किया गया। शिविर में मातृशक्ति, पूर्व सैनिक, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संजू तेली (ऊर्जा का खेड़ा) ने अपना पहला रक्तदान कर दूसरों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

शिविर में अग्निवीर देवराज गुर्जर, अग्निवीर छोटूलाल गुर्जर, रक्त प्रेरक राजेंद्र माहेश्वरी, पंचायत समिति सदस्य रामप्रसाद गुर्जर, ओमप्रकाश गुर्जर सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद रहे।

रावणा राजपूत समाज की बैठक में राजेंद्र सिंह तंवर बने तहसील अध्यक्ष

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलियां।

सीताकुंड महादेव परिसर में सोमवार को रावणा राजपूत समाज की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह गुढ़ा एवं नगर अध्यक्ष संजय सिंह चौहान की मौजूदगी में सर्वसम्मति से राजेंद्र सिंह तंवर को बिजौलियां तहसील अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

नवनिर्वाचित तहसील अध्यक्ष का समाजजनों ने साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। बैठक में समाज की संगठनात्मक गतिविधियों एवं सामाजिक एकता को मजबूत बनाने पर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर भंवर सिंह, भानुप्रताप सिंह, मिठू सिंह, विक्रम सिंह, बाबू सिंह, धर्मसिंह पंवार, घनश्याम कानावत, अमर सिंह राणावत, शंभू सिंह शक्तावत, माधव सिंह तंवर, मुकेश सिंह सांखला, धर्मसिंह कानावत सहित राणाजी का गुड़ा, कास्या, भोपतपुरा, खेड़ाड़िया, मालका खेड़ा, धनवाड़ा, मांगटला, दलसिंहजी का खेड़ा, जलिन्द्री एवं रामपुरिया सहित विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

मुकुंदपुरिया में 25 धान भंडारण कोठियों का वितरण

भीलवाड़ा फोकस @ बीगोद।

ग्राम पंचायत मुकुंदपुरिया में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत जलग्रहण एवं भू-संरक्षण विभाग की ओर से पात्र परिवारों को 25 धान भंडारण (लोहे की) कोठियों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल ने लाभार्थियों को कोठियां वितरित करते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है।

इस अवसर पर सरपंच हरजी रेबारी, कनिष्ठ अभियंता अनिल पारीक, जलग्रहण सचिव संध्या बोरीवाल, रामलाल धाकड़, कुलदीप, दिनेश, भंवर सिंह सहित विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

मानसून को लेकर एसडीआरएफ अलर्ट, मांडलगढ़ में रेस्क्यू टीम की तैयारियों का निरीक्षण

भीलवाड़ा फोकस @ मांडलगढ़।

मानसून के दौरान संभावित प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए राजस्थान राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) ने तैयारियां तेज कर दी हैं। एसडीआरएफ के सहायक कमांडेंट उमेश गौतम ने मांडलगढ़ में तैनात रेस्क्यू टीम ई-5 का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

उन्होंने टीम को स्थानीय प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय बनाकर बाढ़, जलभराव एवं अन्य आपदाओं की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आवास, भोजन, ईंधन और संचार जैसी व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई।

टीम प्रभारी हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार मीणा एवं जवानों के साथ मानसून के दौरान तेज बहाव वाले क्षेत्रों में रेस्क्यू अभियान की रणनीति पर चर्चा की गई। सहायक कमांडेंट गौतम ने जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि 'आपदा सेवार्थ कटिबद्धता' के मूल मंत्र के साथ आमजन को त्वरित, प्रभावी और मानवीय सहायता उपलब्ध कराना एसडीआरएफ की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

गौरतलब है कि एसडीआरएफ ने 25 जून से प्रदेश के 35 आपदा संभावित जिलों में 70 रेस्क्यू टीमों की तैनाती की है, जिनकी तैयारियों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।